

5-12-19

पत्रावली वेथ हुई! आशे भाषण अमीलांट
को बार-बार आवाज लगाई गई!
आवाज लगाने के वावजूद कोई उपस्थित
नहीं! सांप के 5 वज्र चुके थे। अतः
अपीन अमीलांट अदम्य हाजरी व अदम्य
करकी में शगरीज की जाही थी रेस्यो भय-
आधिबन्दी के उपो रहा! अतः पत्रावली के साथ
सुभार होकर नगवा के वस हो! दारिबल
दफ्तर हो! ई-

८१-१-१

११-२-०६